NEW FAQ

शोधप्रकाशित होने के लिए आवश्यक शर्त।

(जहाँ पूर्वप्रदत्त आंग्लनियमावली से वैमत्य हो, आंग्लनियमावली ही मान्य होगी।)

1. मौलिकता
2. अन्यत्र कहीं न तो प्रकाशित हुआ हो न प्रकाशित होने के लिये भेजा गया हो। (यदि अन्यत्र कहीं प्रकाशित हुआ है और संस्कृतजगत् हेतु महान् उपकारक है तो इसे शृङ्खला प्रभाग में मूलप्रकाशक के विवरण के साथ सम्पादकमण्डली के अनुमोदन पर प्रकाशित किया जा सकेगा)
3. Undertaking form प्रेषण (यह Home page पर Form पर प्राप्य है।)
4. Essential data form पूर्ति (यह Home page पर Form पर प्राप्य है।)
5. संस्कृत में निबद्ध हो अथवा संस्कृत विषयवस्तु हो एवं संस्कृतम्, हिन्दी अथवा आंग्ल मे निबद्ध हो।
6. इस पत्रिका में प्रकाशित साहित्यानुरागः प्रभाग के निमित्त ही शैक्षिक लाभनिमित्त उपयोग करसकते हैं (UGC के सन्दर्भ में)
7. शोधपत्र, undertaking form तथा प्रयुक्त फोण्ट अनिवार्य रूप से एक Zip फोल्डर में केवल स्वयं के E-mail ID से प्रेषित किया जाय।
8. शोधसार 100 शब्द तथा शोधपत्र की सीमा 1500 शब्द है।
9. प्रेषित किये जाने बाले E mail का Subject अनिवार्य रूप से - 'Title of write up +Your name+Your DOB' हो।

शोधपत्र कब भेजें-

लोकार्पण- Jan, Apr, July, Oct तदर्थ तिथि क्रमशः - 1st Dec 1st Mar, 1st June, 1st Sep.

सहयोग राशि क्या है?

यह पत्रिका संस्कृतजगत् के उत्कर्ष के लिये समर्पित है। साथ ही जो अपनी मेधा अभिव्यक्ति हेतु प्लेटफार्म की तलाश कर रहे हैं उनके प्रोत्साहन के लिये है। फिर भी पत्रिका को सुचारु रूप से चलाने के लिये नेट, सर्वर, सम्पादन आदि में जो व्यय करना होता है उसके लिये सक्षम पाठक से अपेक्षित राशि 1000/- प्रति शोधपत्र है। यह मात्र 'साहित्यानुराग' प्रभाग के लिये है। जो शोधार्थी अथवा लेखक उक्त राशि देने में सक्षम नहीं हैं उनके लिये यह अनिवार्य नहीं है। जो स्वेच्छया उक्त राशि सहयोग के रूप में देना चाहें उनका स्वागत है सहयोग राशि ड्राफ्ट के रूप में मुकेश कुमार झा के नाम से भेज सकते है।

शोधपत्र कैसे भेजें?

E-mail jahnavisanskritjournal@gmail.com

हस्तलिखित पाण्डुलिपि एवं यूनीकोड में टङ्कित सान्द्रमुद्रिका-

Bipin Kumar Jha, Deptt. of Sahitya, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Deptt. Of Sahitya
Vedavyas Campus, Balahar, Dist Kangra, Himachal Pradesh 177108 India

शोधपत्र का प्रारूप क्या हो?

क्रम	संस्कृत	हिन्दी	आंग्ल
1	शीर्षकः	शीर्षक	Title
2	कूटशब्दाः	कूटशब्द	Key words
3	शोधसारः	शोधसार	Abstract
4	शोधः (मुख्यांशः)	शोध (मुख्यांश)	Article
5	टिप्पणी (पाद-मध्य अथवा अन्त)	टिप्पणी (पाद-मध्य अथवा अन्त)	Foot/mid/end notes
6	सन्दर्भसूची	सन्दर्भसूची	Bibliography

किन शोधों को वरीयता दी जाती है?

1. संस्कृत में निबद्ध
2. शोधप्रविधि अनुपालित
3. समसामयिकसन्दर्भ में उपादेय
4. विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं संस्कृत सन्दर्भित
5. विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में हो रहे शोध की स्थिति/आंकडे/गुणवत्ता हेतु किये जा रहे प्रयास/गुणवत्ता हेतु सम्भावित मार्ग/विविध विषयों की जानकारी प्रभृति विषयक

सन्दर्भ कैसे लिखें-

इस निमित्त undertaking form में दिये प्रारूप का अनुगमन करें अथवा APA (American Psychological Association) के नियमों का अनुगमन करें।

लोकार्पण विवरण-

NEW **विस्तृत अन्तर्जाल पर सन्दर्भित पृष्ठ पर द्रष्टव्य है।**

Issue	Vol	Date	Place	Person
1st	I	20.01.10	Tirupati	**Prof. H K Shatapathi**, VC
2nd	I	20.04.10	BHU	**Dr. K P Upadhyay**, Registrar, BHU
3rd	I	13.08.10	Darbhanga	**Dr. Ramji Thakur**, Sahitya Akadami Awarded
4th	I	30.10.10	Autlanta	**Dr. Dinbandhu Chandaura**
5th	II	08.02.11	LBS	**Dr. B K Mohapatra**, Registrar, LBS
6th	II	01.05.11	Allahabad	**Swami Nikhilatmanandaji Maharaj**, Chairmar Ramakrishna Math
7th	II	15.07.11	Madhuban	**Dr. S D Singh**, R K College, Madhubani
8th	II	19.11.11	Punjab Univer	**Dr. Shankarji Jha**, Ex. Head, Sanskrit departme PU
9th	III	02.02.12	Kolkata	**Prof. R V Tripathi**, V C, Rashtriya Sanskrit Sanst New Delhi
10th	III	12.05.12	JRRSU	**Prof. R Devanathan**, VC, JRRSU, Jaipur, Rajas
11th & 12t	III	10.11.12	Lucknow	**Prof. Om Prakash Pandey**, Ex Head Deptt o Sanskrit, Lucknow University
13th & 14t	IV	4.05.13	Bengaluru	**H.H.Shri.Sugunendra teertha Swamiji,** Puttig Matha, Karnataka